पाठ-
वीरों की पूजा

विधा - कविता
लेखक - श्री श्याम नारायण पांडेय

प्र. 1 शब्दार्थ

1 पीतांबर पीला कपड़ा।
2 दीप दीपक
3 दुर्ग किला
4 टोली दल, समूह
5 जौहर-व्रत चिता में अपने को अर्पण करने वाला व्रत
6 पग-धूल चरण-धूल

प्र. 2 सोचो और बताओ ?

1 संन्यासी की वेशभूषा कैसी थी ?

उ० संन्यासी पीताम्बर 'पीला वस्त्र' ओढे जिसपे राम - नाम लिखा हुआ था।

2 संन्यासी सबसे बड़ा तीर्थ किसे मानता है ?

उ० संन्यासी वीर सबसे बड़ा तीर्थ चित्तौड़ को मानता है।

Scanned with CamScanner

3. पुष्कर तीर्थ किसलिए प्रसिद्ध है?

उ० पुष्कर तीर्थ इसलिए प्रसिद्ध है क्योंकि ब्रह्मा जी का एकमात्र मंदिर वहीं पर स्थित है।

4 गंगा - सागर कहाँ पर स्थित है?

उ० गंगा - सागर कोलकाता के समीप बंगाल की खाड़ी पे स्थित है।

प्र.3 लिखित ?

1 संन्यासी पूजा की थाल लेकर कहाँ जा रहा है?

उ० संन्यासी पूजा की थाल लेकर चित्तौड़ दुर्ग पर जा रहा है।

2 कवि सन्यासी से क्यों पूछता है कि तुम इधर कहाँ जा रहे हो?

उ० कवि सन्यासी से इसलिए पूछ रहा है क्योंकि कवि जिस दिशा में जा रहा है वहाँ पर कोई तीर्थस्थल नहीं है।

3 संन्यासी चित्तौड़ क्यों जाना चाहता है?

उ० संन्यासी चित्तौड़ जाकर वीरों की कर्म भुमी पर पुष्प

Scanned with CamScanner

चलना चाहता एवं दीपक जलाना चाहता है।

4 संन्यासी कहाँ जाने की इच्छा प्रकट करता है?

30 सन्यासी चित्तौड़ की उस जगह जाने कि इच्छा प्रकट करता है जहा पर एक साथ हजारों वीरांगनाओं ने जोहर-व्रत कर चिता में जल कर अपने प्राणों की आहुती देदी थी।

5 सन्यॅासी माला-फूल कहाँ पहना चाहता है?

30 सन्यॅासी माला-फूल वीरांगनाओ सती स्थल पर चढना चाहता है।

प्र.5 कविता?

प्रात सजाकर किसे पूजने
चले प्रात ही मतवाले?
कहाँ चले तुम राम-नाम का
पीतांबर तन पर डाले?

चले झूमते मस्ती से तुम
क्या अपना पथ आए भूल?
कहाँ तुम्हारा दीप जलेगा
कहाँ पड़ेगा माला-फूल?

Scanned with CamScanner

पाठ 9
"वीरों की पूजा"

Book Activity

PAGE NO.:
DATE: / /

(1) सही उत्तर पर निशान (✓) लगाओ?

(क) वीरों (✓)
(ख) चित्तौड़ (✓)
(ग) श्रद्धांजलि (✓)
(घ) पात्र (✓)

(2) रिक्तस्थानों की पूर्ति करो?

(क) सादर
(ख) बनाए
(ग) प्रत्येक नागरिक
(घ) निष्ठावान

(3) वाक्य बनाओ?

(1) पीतांबर → वीर शरीर पर पीतांबर डाले हुए था।
(2) सन्यासी → यहाँ सन्यासी से भाव कवि का वीर पुरुष से
(3) गंगा-सागर → गंगा-सागर एक तीर्थ स्थान है।
(4) स्वतंत्रता → स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

भाषाकौशल ⇒

1) पर्यायवाची शब्द

मार्ग, रास्ता — पुष्प, सुमन
नेत्र, नयन — असि, कृपाण
नमस्ते, नमस्कार — भागीरथी, मंदाकिनी

(2) वर्ण विच्छेद

दीपक → द् + ई + प् + अ + क् + अ
पीतांबर → प् + ई + त् + आ + म् + ब् + अ + र् + अ
जौहर → ज् + औ + ह् + अ + र् + अ
प्रयाग → प् + र् + अ + य् + आ + ग् + अ
रामेश्वर → र् + आ + म् + ए + श् + व् + अ + र् + अ

(3) बहुवचन में बदलो।

साथियों — सुंदरियाँ, सुंदरियों

मतवाले, मतवालों — आँखें, आँखों

तलवारें, तलवारों — जवानों

बहनें, बहनों

(गृहकार्य → प्रत्यय की परिभाषा एवं कविता याद करें।)

Scanned with CamScanner